PMA2020 किशोरियों के स्वास्थ्य सर्वे के परिणाम: राजस्थान मई-जुलाई 2018

किशोर यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य में विनियोग के "तिहरे लाभ"

भारत युवाओं का देश है जिसमे 15 से 24 आयुवर्ग के करीब 22.8 करोड़ युवा हैं जो कि देश की जनसँख्या का लगभग एक चौथाई है|[1] भारत में, इस बढ़ती जनसँख्या में 15-19 वर्ष के किशोर उस सबसे बड़ी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जोकि व्यस्कावस्था में प्रवेश कर रहे हैं | किशोर स्वास्थ्य में सुधार अति-महत्वपूर्ण है जिसका तिहरा लाभ होता है, क्योंकि यह केवल सबसे बड़े युवा वर्ग की वर्तमान स्वास्थ्य आवश्यकता को ही पूरा नहीं करता बल्कि उनके भावी स्वास्थ्य संभावनाओं में सुधार करता है और "भावी पीढ़ी के कल्याण" को प्रोत्साहित करता है |

किशोरियों को शैक्षणिक आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देने तथा जीवन के इस जटिल चरण के दौरान यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की जरुरत का अनुमान लगाने के लिए उनके यौन स्वास्थ्य सम्बंधित मुद्दों को समझना और उनकी निगरानी करना अत्यंत महत्वपूर्ण है| 2018 में पर्फोर्मंस मोनिटरिंग और एकाउंटेबिलिटी 2020 (PMA2020) द्वारा राजस्थान में 15 से 19 आयु वर्ग की किशोरियों के विवाह, बच्चों के जन्म तथा परिवार नियोजन सम्बंधी ज्ञान, सोच और व्यवहार के बारे में सर्वे किया गया |

मुख्य परिणाम

- 19% किशोरियों ने बताया कि उन्हें पहले सम्भोग का अनुभव है परन्तु केवल 37% ने बताया की यह स्वयं का निर्णय था |
- 83% किशोरियों को अंतराल रखने या गर्भ टालने की विधियों के बारें में जानकारी थी मगर 57% को समाज में बदनामी का डर और सेवायें लेने में शर्म महसूस होती है|
- यौन रूप से सक्रिय 21% किशोरियों ने कभी न कभी गर्भनिरोधक साधनों का इस्तेमाल किया है और उनमे से 68% किशोरियां जिन्हें वर्तमान में गर्भ निरोधकों की जरुरत थी वे किसी विधि का इस्तेमाल नहीं कर रही थी |
- कुछ किशोरियों ने बताया की वे (7%) कभी गर्भवती हुयी है व कुछ (4%) ने जन्म भी दिया है|
- राजस्थान में बाल-विवाह अभी भी एक वास्तविकता है, परन्तु यह बहुत कम रिपोर्ट किया जाता है| 15-17 आयुवर्ग की केवल 6% किशोरियों ने शादी होना बताया |

मुख्य परिणाम

- अधिकांश किशोरियां राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है |
- शहरी समुदायों की 4% किशोरियों की तुलना में ग्रामीण समुदायों की 39% किशोरियां निर्धनतम परिवारों में रहती है |
- लगभग तीन चौथाई (70%) किशोरियों ने माध्यमिक या उससे उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त की हैं |

किशोरियों की जनसँख्या के वितरण का प्रतिशत

आयु		15-17 (n=665)	18-19 (n=469)	सभी (n=1134)
निवासी	शहरी	30.6	32.5	31.4
	ग्रामीण	69.4	67.5	68.6
संपन्नता के तीन स्तर	निम्नतम	29.2	26.7	28.2
	माध्यमिक	35.6	35.7	35.6
	उच्चतम	35.3	37.6	36.2
ग्रहण की गई उच्चतम शिक्षा	ग्रहण की गई उच्चतम शिक्षा	7.5	7.8	7.7
	कभी स्कूल नहीं गई	23.2	21.6	22.5
	प्राथमिक	41.7	23.1	34.0
	सेकेंडरी	23.8	24.5	24.1
	हायर सेकेंडरी स्नातक या अधिक	3.7	23.0	11.8

विवाह

राजस्थान में बाल-विवाह के बारे में बहुत कम रिपोर्ट किया जाता है; केवल 6% लड़कियों ने 15-17 वर्ष की आयु में विवाह होना बताया | 18 से 19 वर्ष की युवा लड़कियों का विवाह होना आम बात है - लगभग एक तिहाई (32%) विवाह होने के बारे में बताया | ग्रामीण समुदायों में किशोरियों का विवाह सामान्य था इसमें जाति और वित्तीय स्थिति के अनुसार किसी प्रकार की कोई भिन्नता नहीं पाई गई |

विवाहित महिलाओं में से अधिकांश (71%) की विवाह के बारे में निर्णय लेने में बहुत कम सहभागिता थी |

10 में से 8 से भी अधिक लड़कियां जानती थी कि विवाह की क़ानूनी उम्र 18 वर्ष है और 67% ने बाल-विवाह रोकने का सन्देश सुना था |

अविवाहित किशोरियों में से 80% को विवाह पूर्व शिक्षा पूर्ण करने की उम्मीद थी |

[1] *India Demographics Profile, 2018* [2] *Lancet commission, 2016*

यौन संबंधो की शुरुआत

मुख्य परिणाम

- किशोरियों में से 19% ने बताया कि उन्होंने कभी सम्भोग किया है मगर 18-19 वर्ष की लड़कियों में यह अनुपात बढ़कर 35% हो गया|
- 30% ने प्रथम सम्भोग के समय गर्भ-निरोधक का इस्तेमाल किया जब वह गर्भवती नहीं होना चाहती थी|

यौन रूप से सक्रिय लड़कियां (n=226)

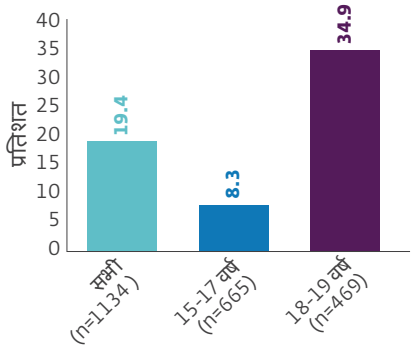

साथ में रहने वाली किशोरियों (विवाहित या साथ में रहने वाले) (N=189) में सम्भोग की शुरुआत का निर्णय बहुत कम (37%) स्वैच्छिक था | साथ में रहने वाली किशोरियों में से केवल आधी (52%) ने बताया कि उन्होंने पहला सम्भोग बिल्कुल सही समय पर किया | 10% ने इसे जल्दी होना बताया और 36% देर से चाह रही थी |

साथ में रहने वाली केवल 30% किशोरियों ने ही प्रथम सम्भोग के समय गर्भनिरोधक साधनों का इस्तेमाल किया जब वे गर्भवती नहीं होना चाहती थी |

किशोरियों में यौन सम्भोग की शुरुआत (n=226)

साथ में रहने वाली लड़कियों में यौन सम्भोग* (n=190)

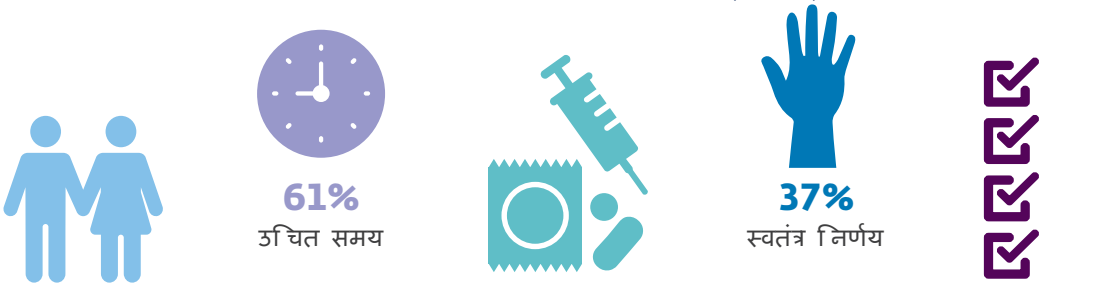

*जो किशोरियां साथ में नहीं रहती थी उनसे यौन सक्षमता सम्बन्धी प्रश्न नहीं पूछे गये |

प्रथम सम्भोग के समय यौन सक्षमता

सम्भोग के समय यौन सक्षमता को निम्न शर्तों को पूरा करने के आधार पर परिभाषित किया गया है: उचित समय, स्वैच्छिक निर्णय, सम्भोग करने के बारे में साथी की बराबर इच्छा, अगर गर्भ नहीं चाहते हैं तो गर्भनिरोधक का प्रयोग |

कुल मिलाकर साथ रहने वाली केवल 16% किशोरियां ही प्रथम सम्भोग के समय उपरोक्त शर्तों को पूरा करती थी |[2]

गर्भ धारण एवं जन्म

सभी किशोरियों में से 7% कभी गर्भवती हुई थी या (4%) के जन्म हुआ था|

किशोर माताओं (N=1074) में से लगभग दो तिहाई (62%) ने बताया कि वे अपना पहला बच्चा जल्दी से जल्दी चाहती थी | उन किशोरियों में से जिन्होंने कभी बच्चे को जन्म नहीं दिया केवल 19% ही जल्दी से जल्दी बच्चा चाहती थी और 64% बच्चे को जन्म देने से पूर्व अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती थी | हालाँकि ग्रामीण क्षेत्र में (59%) शिक्षा को कम प्राथमिकता दी गई थी और निर्धन किशोरियो में यह 44% था |

गैर-गर्भवती किशोरियां जो अगले 2 वर्ष में बच्चा चाहती है (n=1,101)

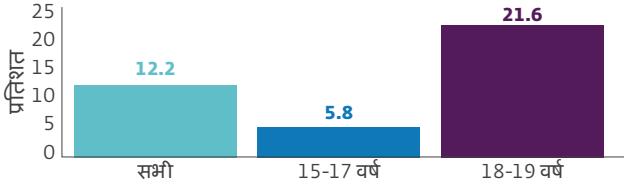

[2] Palmer MJ et al. Is "Sexual Competence" at First Heterosexual Intercourse Associated With Subsequent Sexual Health Status?, The Journal of Sex Research, DOI: 10.1080/00224499.2015.1134424

जानकारी, व्यवहार, पहुँच और परिवार नियोजन साधनों का प्रयोग

मुख्य परिणाम

- गर्भ निरोधकों की विभिन्न विधियों के बारे में व्यापक जानकारी थी और यह उम्र के साथ बढ़ रही थी |
- निर्धन परिवारों की किशोरियों को समृद्ध परिवारों की किशोरियों की तुलना में कम जानकारी थी |
- गर्भनिरोधकों के बारे में नकारात्मक रवैया और भ्रांतियां बहुत व्याप्त थी |

लगभग आधी (49%) किशोरियों का मानना था कि गर्भनिरोधक बच्चों में अंतराल के बजाय केवल परिवार को सीमित करने के लिए उचित है | 40% पूर्ण रूप से यह मानती है कि गर्भनिरोधकों के प्रयोग को गलत समझा जा सकता है |

गत वर्ष के दौरान 12% किशोरियों ने गर्भनिरोधकों के बारे में परामर्श प्राप्त किया |

15-19 आयु वर्ग ही महिलाओं का % जिन्होंने गर्भ निरोधक विधि के बारे में सुना

विधि	सभी महिलायें (n=1,134)	वे महिलायें जिन्होंने कभी सम्भोग नहीं किया (n=226)	वे महिलायें जिन्हें अनचाहे गर्भ का खतरा था (n=106)
महिला नसबंदी	92.7	95.5	98.6
प्रत्यारोपण	10.6	11.7	19.6
आईयुडी	52.2	70.3	70.9
इंजेक्शन	46.6	65.1	71.4
गोलियां	71.4	84.8	89.0
पुरुष कंडोम	66.8	87.7	91.3
पुरुष नसबंदी	56.6	67.0	71.3
महिला कंडोम	7.3	7.7	8.7
आपातकालीन गर्भनिरोधक	29.6	42.5	47.1

सभी किशोरियों में परिवार नियोजन का रवैया (n=1126),%

16.1	असहमत - "गर्भनिरोधक का प्रयोग एक महिला को परिवार के लिए तैयार होने में मदद करता है"
10.9	असहमत - "गर्भनिरोधक का प्रयोग कर एक युगल जोड़ा शांति से एक-दुसरे को प्यार कर सकता है"
30.4	असहमत - "गर्भनिरोधक केवल विवाहित महिलाओं के लिए है"
49.4	सहमत - "गर्भनिरोधक केवल उन महिलाओं के लिए है जो और बच्चे नहीं चाहती है"
42.5	सहमत - "गर्भनिरोधक का प्रयोग करने से बांझपन आ सकता है या महिला का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है"
40.3	सहमत - "गर्भनिरोधक का प्रयोग करने वाली किशोरियों या जवान महिलाओं को गलत माना जाता है"
57.3	सहमत - "किसी क्लिनिक या कहीं और से गर्भनिरोधक लेने में मुझे बड़ी शर्म का अहसास होता है"

किशोर महिलाओं ने निम्न माध्यमों से परिवार नियोजन का सन्देश सुना:

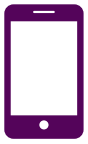

25% वोईस और टेक्स्ट मेसेज

42% अखबार

58% टेलीविज़न

चूँकि कई किशोरियां गर्भनिरोधकों के प्रयोग के सामाजिक और स्वास्थ्य सम्बंधी दुष्परिणामों के बारे में चिंतित थी और कई स्वतः उपयोग वाले गर्भनिरोधक विकल्पों की विस्तृत पहुँच की इच्छुक थी |

बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाई देने वाली दुकानें

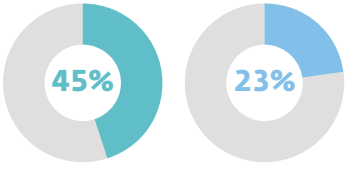

इच्छुक | इच्छुक हो सकती है

स्वयं लगाएं जाने वाले गर्भनिरोधक

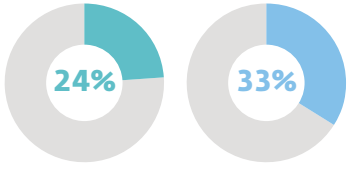

इच्छुक | इच्छुक हो सकती है

माहवारी लाने के लिए बिना पर्ची की दवाएं

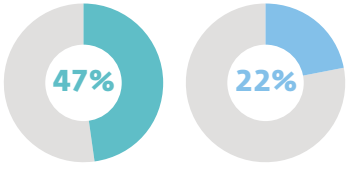

इच्छुक | इच्छुक हो सकती है

यद्यपि आधी से अधिक (56%) किशोरियों को पता था की गर्भनिरोधक कहाँ से लिए जाएँ, 57% ने बताया की इन सेवाओं के लिए पूछने में उन्हें बहुत शर्म आती है |

किशोरियों में परिवार नियोजन के बारे में जानने की विधियाँ (n=1,134)

टेलीविज़न और अखबार/पुस्तिकाएं परिवार नियोजन के बारे में जानकारी का प्राथमिक स्रोत है |

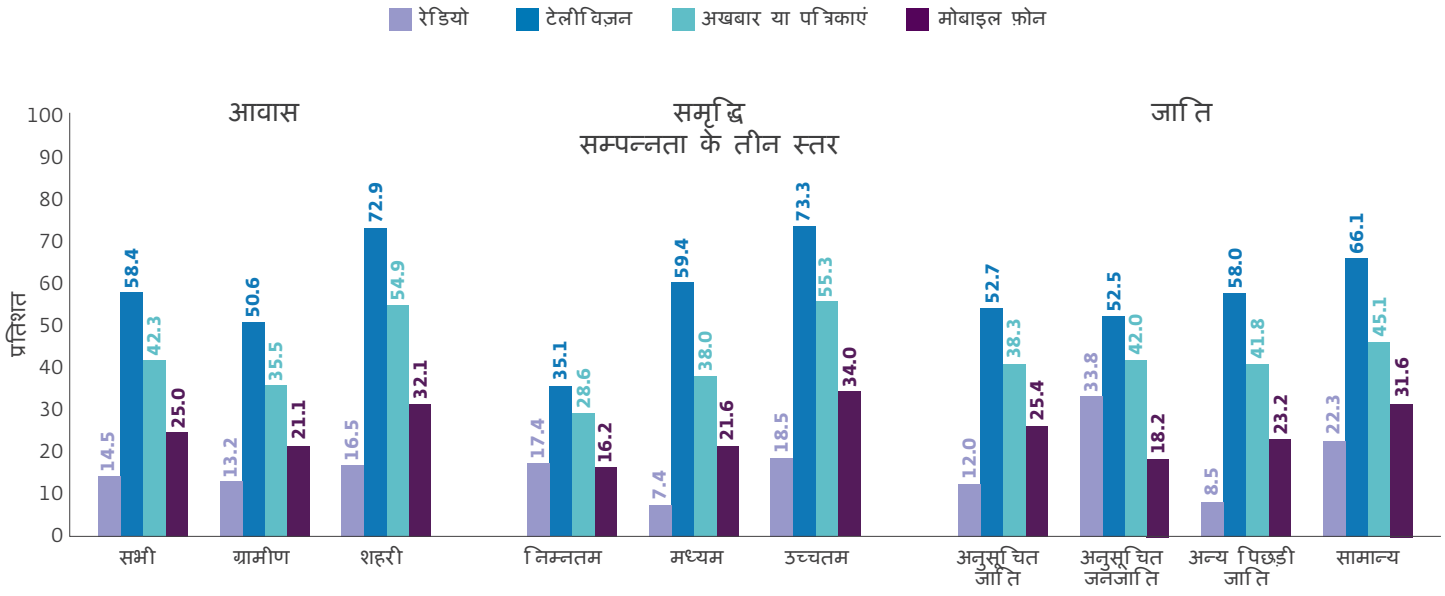

केवल 4% किशोरियों ने कभी ना कभी गर्भनिरोधको का इस्तेमाल किया है और 4% वर्तमान में गर्भनिरोधक का इस्तेमाल कर रही थी | यह अनुपात उन महिलाओं में दोनों संकेतकों के लिए 22% तक पहुँच जाता है जिन्होंने कभी सम्भोग किया है |

सर्वे के दौरान 15-17 वर्ष की केवल 3% लड़कियों और 18-19 वर्ष की केवल 15% लड़कियों को उस समय गर्भनिरोधकों की आवश्यकता थी (यौन रूप से सक्रिय, गर्भवती नहीं, और गर्भ-धारण करने का प्रयास नहीं कर रही थी)

किशोरियों में गर्भ निरोधकों की मौजूदा आवश्यकताओं का प्रतिशत शहरी क्षेत्रों (5%) की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों (10%) में अधिक था मगर यह जाति या समृद्धि के अनुरूप भिन्न नही था| जिन किशोरियों में गर्भनिरोधकों कि आवश्यकता थी उनमें से कुछ, 32% सर्वे के समय किसी विधि का इस्तेमाल कर रही थी जबकि 68% नहीं, इससे यह पता होता है कि यौन रूप से सक्रिय महिलाओं में गर्भनिरोधकों की अपूरित मांग सबसे अधिक है|

सर्वे के समय गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल कर रही किशोरियां निम्न पर निर्भर है (n=41)

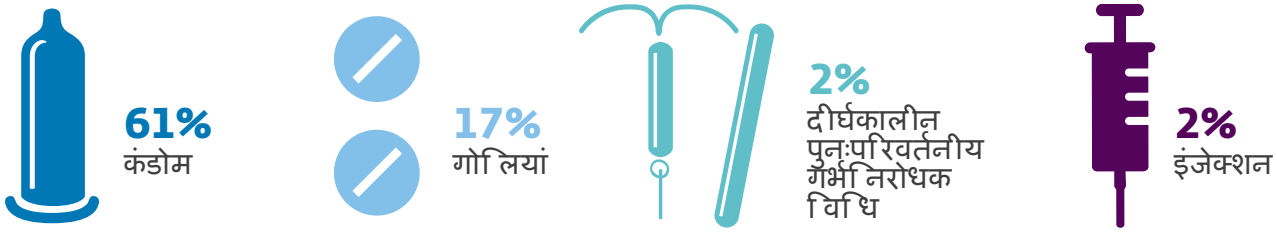

नमूना निर्माण

PMA2018/राजस्थान के किशोर सर्वे में द्वि-चरणीय क्लस्टर डिजाईन का इस्तेमाल किया गया जिसमे 147 गणना क्षेत्र शामिल थे | प्रत्येक गणना क्षेत्र में, गणना क्षेत्र के परिवारों की पूरी सूची में से 35 परिवारों का चयन किया गया | 15 से 19 वर्ष की कुल 1134 किशोरियों का सर्वे किया गया जो प्रजनन आयु (15-49) वर्ष की महिलाओं के 19% का प्रतिनिधित्व करती है | अधिकांश (69%) किशोरियां ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है जोकि ग्रामीण परिवेश में अनुसूचित और अन्य पिछड़ी जाति का बड़ा प्रतिनिधित्व करती है | ग्रामीण परिवेश की किशोरियों में से लगभग 39% शहर की 4% किशोरियों की तुलना में निर्धनतम परिवारों में निवास करती है | सर्वे के समय 15-17 आयु वर्ग की अधिकांश लड़कियां स्कूल में थी | यह अनुपात 18-19 आयु वर्ग की महिलाओं में 35% तक कम था | समंक संग्रहण का कार्य मई से जुलाई 2018 में किया गया |

PMA2020 में परिवार नियोजन के मुख्य संकेतकों की निगरानी के लिए कम लागत और जल्दी सर्वे करने हेतु नवीन मोबाइल तकनीक का इस्तेमाल किया गया | यह परियोजना स्थानीय विश्वविद्यालयों और शोध संस्थाओं द्वारा 11 देशों में क्रियान्वित की जा रही है जिसके लिए मोबाइल समर्थित समंक संग्रहण विधि में महिलाओं को साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित कर लगाया गया है | PMA2020/राजस्थान का क्रियान्वयन जयपुर की इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के द्वारा किया जा रहा है |

जोहन्स होपकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ में बिल एंड मेलिंडा गेट्स इंस्टिट्यूट द्वारा जनसंख्या और प्रजनन स्वास्थ्य के लिए सम्पूर्ण निर्देशन और सहयोग प्रदान किया जा रहा है | इस शोध के लिए वित्तीय सहयोग चिल्ड्रेन्स इन्वेस्टमेंट फण्ड फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है |